



राजस्थान सरकार



RSCERT Udaipur



हवामहल

बच्चों का झरोखा



14 अक्टूबर 2023: शनिवार: वर्ष - 04: अंक - 26

बन्दर मामा और केले

आज की कविता

बंदर मामा को केले का पूरा गुच्छा मिल गया। वो मारे खुशी के केले का पूरा गुच्छा खींच ले गया। लेकिन ये क्या एक केला खाया ही था कि भालू दादा पहुँच गए। उन्हें देखकर बंदर मामा ने जल्दी जल्दी पूरा केला निगल लिया। डर के मारे केला उनके गले में ही अटक गया। बंदर मामा की तो जान पर ही बन आई। अब क्या होगा? देखते और सुनते हैं पूरी कविता।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Infobells



उँदर भाई

आज की कहानी

चीकू ने एक छोटे और मोटे चूहे का नाम उँदर भाई रखा। उँदर भाई ने पूरे घर में तबाही मचा रखी थी। चीकू और उसकी बा दोनों बहुत परेशान हो गए। फिर बा ने उसे पकड़ने के लिए चूहेदानी रखी लेकिन लेकिन उँदर भाई उससे भी बच निकले। अब चीकू और बा ने एक बड़ी मजबूत चूहेदानी रखी। उँदर भाई फँस गए। फिर क्या हुआ? सुनते हैं ये कहानी। चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

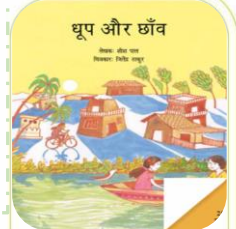


धूप और छाँव

आज की किताब

धूप और छाँव एक दूसरे के साथी भी हैं और प्रतिद्वंद्वी भी। कमाल है कि दोनों साथ साथ दिखाई देते हैं। अगर एक न हो तो दूसरा भी नहीं दिखता। बच्चे इन दोनों से खुश रहते हैं। जब ये नहीं दिखते तो कहाँ रहते हैं? चलो इनके गाँव चलें। पर उनका गाँव है कहाँ? शीशपाल की यह कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read



छोटा भोंपू

आज की गतिविधि

आपने बस में, ऑटो रिक्शा में, आइसक्रीम और फिरकी बेचने वाले के हाथों में भोंपू जरूर देखा होगा। रेल के पुराने इंजनों में भी भोंपू होता था। अब ये कम दिखाई देते हैं। आप एक छोटा भोंपू खुद तैयार कर सकते हैं। एक प्लास्टिक कोन, एक पीवीसी पाइप का टुकड़ा और एक गुब्बारे की मदद से आप इसे बना सकते हैं। विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

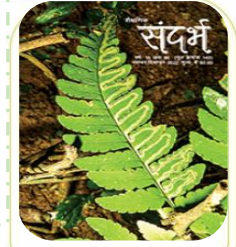


शिक्षा और मनोविज्ञान

टीचर्स कॉर्नर

हम जिन बच्चों के साथ काम करने वाले हैं उन्हें समझना बहुत जरूरी है। यह ठीक उसी तरह है जैसे अगर हम मिट्टी के बर्तन बनाने जा रहे हैं तो पहले हमें उस मिट्टी को अच्छी तरह से समझना होगा। कमला मुकुंदा ने अपनी किताब what did you asked at school today? में रोजमर्रा के मनोवैज्ञानिक सवालों का जिक्र किया है। इस आलेख में उसी की चर्चा है। आलेख को पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Sandarbh

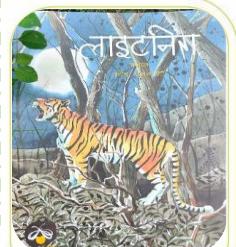


रणथम्भौर की आवाज़

हमारा पुस्तकालय

जुगनू प्रकाशन से एक बिग बुक आई है लाइटनिंग। यह बहुत ही आकर्षक किताब है। न सिर्फ अपनी प्रस्तुति में बल्कि अपनी कहानी के लिए भी। यह एक ऐसी मानवीय भावनात्मक कहानी है जिसमें केन्द्रीय किरदार एक जानवर है। सच्ची घटना पर आधारित कहानी की प्रस्तुति मनमोहक कलात्मकता से भरपूर है। अरुण कमल द्वारा लिखित इसकी समीक्षा पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Parag



#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 181वाँ अंक आपके हाथों में है। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोड़िए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।



आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।